

وَمَا أُبْرِيءُ نَفْسِي ۚ إِنَّ النَّفْسَ لَأَمَّارَةٌ بِالسُّوءِ

और मैं अपने नफ़स की बराबत नहीं करता। यकीनन नफ़स तो बड़ोत ज़यादा बुराई का हुकम देने वाला है

إِلَّا مَا رَجِمَ رَبِّي ۖ إِنَّ رَبِّي غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿٥٦﴾ وَقَالَ

मगर वो जिस पर मेरा रब रडम करे। यकीनन मेरा रब बफ़शने वाला, निडायत रडम वाला है। और बादशाह ने कडा के

الْمَلِكِ اتُّوْنِي بِهِ ۖ اسْتَخَاصَهُ لِنَفْسِي ۚ فَلَمَّا كَلَّمَهُ

तुम उसे मेरे पास ले आओ, मैं उसे अपनी ज़त के लिये बालिस रबना याडता हूँ फिर जब बादशाह ने यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम)

قَالَ إِنَّكَ الْيَوْمَ لَدَيْنَا مَكِينٌ أَمِينٌ ﴿٥٧﴾ قَالَ

से बात की तो बादशाह ने कडा के यकीनन आप आज से डमारे नजदीक अमानतदार डजजत के भरतबे पर डो। यूसुफ़

اجْعَلْنِي عَلَى خَزَائِنِ الْأَرْضِ ۚ إِنِّي حَفِيظٌ عَلِيمٌ ﴿٥٨﴾

(अलैडिस्सलाम) ने डरमाया के आप मुझे जमीन के बज़ानों पर मुकरर कर दीजिये। यकीनन मैं डिकज़त करने वाला, जानने वाला हूँ

وَكَذَلِكَ مَكَّنَّا لِيُوسُفَ فِي الْأَرْضِ ۚ يَتَّبِعُونَ مِمَّهَا

और डस तरड डम ने यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) को डस मुडक मे हुकूमत दी। वो ठिकाना बनाते थे डस मुडक में

حَيْثُ يَشَاءُ ۖ نُصِيبُ بِرَحْمَتِنَا مَنْ نَشَاءُ وَلَا نُضِيعُ

जडां याडते। डमारी रडमत डम पडोंयाते हैं जिसे याडते हैं और डम नेकी करने वालों का अजर

أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ﴿٥٩﴾ وَلَا جُرُ الْأَخْرَةِ خَيْرٌ لِلَّذِينَ

जायेअ नहीं करते। और अलबता आभिरत का अजर बेडतर है उन के लिये जो डमान वाले

آمَنُوا وَكَانُوا يَتَّقُونَ ﴿٦٠﴾ وَجَاءَ إِخْوَةَ يُوسُفَ

हैं और जो मतकी हैं और यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) के भाई आये, फिर वो यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) के पास पडोये

فَدَخَلُوا عَلَيْهِ فَعَرَفَهُمْ وَهُمْ لَهُ مُنْكَرُونَ ﴿٦١﴾

तो यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने उन को पेडयान लिया और वो यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) को पेडयानते नहीं थे। और जब

وَلَمَّا جَهَّزَهُمْ بِجَهَّازِهِمْ قَالَ اتُّوْنِي بِأَخٍ لَّكُمْ

यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने उन को उन का सामान तैयार कर के दिया तो डरमाया के तुम मेरे पास अपने डस भाई को ली ले

مِّنْ أَبِيكُمْ ۚ أَلَا تَرَوْنَ أَنِّي أُوْفِي الْكَيْلَ وَأَنَا

आओ जो तुमडारे बाप की तरफ़ से है। क्या तुम डेभते नहीं के मैं अनाज पूरा पूरा डेता हूँ और मैं

خَيْرُ الْمُنْزِلِينَ ﴿٦٢﴾ فَإِنْ لَّمْ تَأْتُونِي بِهِ فَلَا كَيْلَ لَكُمْ

बेडतरीन मेजबानी करने वाला हूँ फिर अगर तुम डस को मेरे पास नहीं लाओगे तो तुमडे गडवा नहीं मिलेगा

عِنْدِي وَلَا تَقْرَبُونِ ﴿١١﴾ قَالُوا سَأُرَاوِدُ عَنْهُ أَبَاهُ

मेरे पास और तुम मेरे करीब ली मत आना. उन्होंने ने कडा के डम उसे उस के अब्बा से धरार के साथ

وَأَنَا لَفَعْلُونَ ﴿١٢﴾ وَقَالَ لِقَتِيلِهِ اجْعَلُوا بِضَاعَتَهُمْ

तलब करेगे और यकीनन डम ऐसा करेगे. और यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने अपने भादिभों से इरमाया के तुम

فِي رِحَالِهِمْ لَعَلَّهُمْ يَعْرِفُونَهَا إِذَا انْقَلَبُوا

उन की पूंछ उन के सामान में रख दो ताके वो उस को पेडयान लें जब वो पलट कर जायें

إِلَىٰ أَهْلِهِمْ لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُونَ ﴿١٣﴾ فَلَمَّا رَجَعُوا

अपने घर वालों के पास ताके वापस आयें. फिर जब वो अपने अब्बा के पास वापस पड़ोये तो

إِلَىٰ آبِيهِمْ قَالُوا يَا أَبَانَا مُنِعَ مِنَّا الْكَيْلُ فَأرْسِلْ

उन्होंने ने कडा के अे डमारे अब्बा! डम से गल्ला रोक दिया गया, इस लिये डमारे साथ डमारे भाई

مَعَنَا أَخَانَا نَكْتَلُ وَإِنَّا لَهُ لَحَفِظُونَ ﴿١٤﴾ قَالَ

(बिनयामीन) को भेजियेके डम गल्ला लायें और डम यकीनन उस की डिफ़ाजत करेगे. यअक़ूब (अलैडिस्सलाम) ने

هَلْ أَمْنَكُمُ عَلَيْهِ إِلَّا كَمَا أَمْنَتُكُمْ عَلَىٰ أَخِيهِ مِن قَبْلُ ۖ

इरमाया के क्या मैं तुम्हें उस के बारे में अमीन समझूँ जैसा के मैं ने उस के भाई के बारे में इस से पेडले तुम्हें अमीन

فَاللَّهُ خَيْرٌ حَفِظَا ص وَهُوَ أَرْحَمُ الرَّاحِمِينَ ﴿١٥﴾

समझ था? फिर अल्लाह बेडतरिन डिफ़ाजत करने वाला है, और वो अरडमुराडिमीन है.

وَلَمَّا فَتَحُوا مَتَاعَهُمْ وَجَدُوا بِضَاعَتَهُمْ رُدَّتْ إِلَيْهِمْ ۖ

और जब उन्होंने ने अपना सामान षोला तो अपनी पूंछ को पाया के जो उन की तरफ़ वापस लौटा दी गई थी.

قَالُوا يَا أَبَانَا مَا نَبْغِي ۖ هَذِهِ بِضَاعَتُنَا رُدَّتْ إِلَيْنَا ۖ

उन्होंने ने कडा डमारे अब्बा! डमें क्या याडिये? ये डमारी पूंछ डमें वापस लौटा दी गई है. और डम अपने

وَنَبِيرُ أَهْلَنَا وَنَحْفُظُ أَخَانَا وَنَزِدَادُ كَيْلَ بَعِيرٍ ۖ

घर वालों का गल्ला लायेंगे और डम अपने भाई की डिफ़ाजत करेगे और डमें अक़ उंट का गल्ला जयादा मिलेगा.

ذَلِكَ كَيْلُ يَسِيرٍ ﴿١٦﴾ قَالَ لَنْ أُرْسِلَهُ مَعَكُمْ

ये गल्ले (का डसूल) आसान है. यअक़ूब (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया के मैं उस को तुम्हारे साथ डरगिज नही भेजूंगा

حَتَّىٰ تَوْتُونَ مَوْثِقًا مِّنَ اللَّهِ لَتَأْتَنِي بِهِ إِلَّا أَنْ

जब तक के तुम मुझे अल्लाह की तरफ़ से पुज्ता अडद न दो के तुम जरूर उसे मेरे पास लाओगे, मगर ये के

يُحَاطَ بِكُمْ فَلَمَّا اتَّوَّأَ مَوْتَهُمْ قَالَ اللَّهُ

तुम्हें घेर लिया जाये, फिर जब उन्होंने यअकूब (अलैहिस्सलाम) को अपना पुन्ना अडह दिया, तो यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने

عَلَىٰ مَا نَقُولُ وَكَيْلٌ ﴿١٣﴾ وَقَالَ يَبْنَئِي لَأَ تَدْخُلُوا

इरमाया के अदलाह उस पर वकील है जो हम के रडे है और यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अे मेरे भेटो! तुम अेक

مِنْ بَابٍ وَاحِدٍ وَادْخُلُوا مِنْ أَبْوَابٍ مُّتَفَرِّقَةٍ ۖ

दरवाजे से दाभिल न होना और अलग अलग दरवाजों से दाभिल होना.

وَمَا أُعْنِي عَنْكُمْ مِّنَ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۚ إِنِ الْحُكْمُ

और मैं तुम्हें अदलाह के हुकम से कुछ भी बया नहीं सकता. हुकम तो सिई अदलाह ही का

إِلَّا لِلَّهِ ۗ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ ۚ وَ عَلَيْهِ فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُتَوَكِّلُونَ ﴿١٤﴾

यलता है. उसी पर मैं ने भरोसा किया. और उसी पर भरोसा करने वालों को भरोसा करना याडिये.

وَلَمَّا دَخَلُوا مِنْ حَيْثُ أَمَرَهُمْ أَبُوهُم ۖ مَا كَانَ

और जब वो दाभिल हुवे उस तरह जैसे उन्हें उन के अभा ने हुकम दिया था, तो ये बात

يُعْنِي عَنْهُمْ مِّنَ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۚ إِلَّا حَاجَةً

उन्हें अदलाह के हुकम से जरा भी बया न सकी मगर अेक प्वाडिश थी यअकूब (अलैहिस्सलाम) के हिल की

فِي نَفْسٍ يَّعْقُوبَ قَضَاهَا ۖ وَإِنَّهُ لَذُو عِلْمٍ لِّمَا عَلَّمْتَهُ

जो उन्होंने ने पूरी कर ली. और यकीनन वो धलम वाले थे, उसी को जानते थे जो हम ने उन्हें सिभलाया था

وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿١٥﴾ وَلَمَّا دَخَلُوا

लेकिन अकसर लोग (हकीकत का) धलम नहीं रभते. और जब वो यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) के पास

عَلَىٰ يُوسُفَ أَوْىٰ إِلَيْهِ أَخَاهُ قَالَ إِنِّي أَنَا

दाभिल हुवे तो यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने अपने पास अपने भाई को जगा दी. यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया

أَحْوَكُ فَلَا تَبْتَسِ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿١٦﴾

के यकीनन मैं तेरा भाई हूँ, धस लिये तू अइसोस मत कर उन दरकतों पर जो ये कर रडे हैं.

فَلَمَّا جَهَّزَهُمْ بِجَهَّازِهِمْ جَعَلَ السَّقَايَةَ

फिर जब यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने उन को उन का सामान तैयार कर के दिया तो अपने भाई के थेले में

فِي رَحْلِ أَخِيهِ ثُمَّ أَذَّنَ مُؤَذِّنٌ أَيَّتْهَا الْعِيرُ إِنَّكُمْ

प्याला रभ दिया, फिर अेक अैलान करने वाले ने अैलान किया के अे काइले वालो! यकीनन तुम

سَرِقُونَ ﴿۴۳﴾ قَالُوا وَقَبِلُوا عَلَيْهِمْ مَاذَا تَفْقَدُونَ ﴿۴۳﴾

तो योर डो. ये केडते डुवे वो उन के सामने आये के तुम क्या चीज गुम पाते डो?

قَالُوا نَفَقْدُ صُوعَ الْمَلِكِ وَإِنَّمِنَ جَاءَ بِهِ حِمْلُ

उनडोने कडा के डम भादशाड क प्याला गुम पाते डै और उस शप्स के लिये जो उस को ले कर आयेगा अक डिट क गद्ला

بَعِيرٍ وَأَنَا بِهِ زَعِيمٌ ﴿۴۴﴾ قَالُوا تَاللَّهِ لَقَدْ عَلِمْتُمْ

मिलेगा और मैं उस क जिम्मेदार डूं. उनडो ने कडा के अद्लाड की कसम! यकीनन तुम्हें मालूम डै के

مَا جِئْنَا لِنَفْسِدَ فِي الْأَرْضِ وَمَا كُنَّا سَرِقِينَ ﴿۴۵﴾ قَالُوا

डम ँस मुल्क में ँस लिये नडी आये के डम इसाद डैलाओं और डम योर नडी डैं. उनडो ने कडा

فَمَا جَزَاءُؤَا إِن كُنْتُمْ كَذِبِينَ ﴿۴۶﴾ قَالُوا جَزَاءُؤَا

के डिर उस शप्स की क्या सजा डै अगर तुम डूठे डो? तो उनडो ने कडा उस की सजा

مَنْ وُجِدَ فِي رَحْلِهِ فَهُوَ جَزَاءُؤَا ۖ كَذَلِكَ

वडी शप्स डै जिस के थैले में वो प्याला पाया जाये, डिर वडी उस की सजा डै. ँसी तरड

نَجَزَى الظَّالِمِينَ ﴿۴۷﴾ فَبَدَأَ بِأَوْعِيَّتِهِمْ قَبْلَ وِعَاءِ

डम जालिमों को सजा देते डैं. डिर यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने उन के थैलों से ँडित्ता की अपने भाँड के

أَخِيهِ ثُمَّ اسْتَخْرَجَهَا مِنْ وِعَاءِ أَخِيهِ ۖ كَذَلِكَ

थैले से पेडले, डिर उस को निकाला अपने भाँड के थैले से. ँसी तरड

كِدْنَا لِيُوسُفَ ۖ مَا كَانَ لِيَأْخُذَ أَخَاهُ فِي دِينِ

डम ने तदबीर की यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) के लिये. वो अपने भाँड को नडी ले सकते थे भादशाड के

الْمَلِكِ إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ ۖ نَرْفَعُ دَرَجَاتٍ مَّن نَّشَاءُ ۗ

मजडभ में मगर ये के अद्लाड याडे. डम दरजात डुलन्द करते डैं जिस के याडते डैं.

وَفَوْقَ كُلِّ ذِي عِلْمٍ عَلِيمٌ ﴿۴۸﴾ قَالُوا إِن يَسْرِقْ

और डर ँल्म वाले से भण्ड कर ँल्म वाला डै. उनडो ने कडा के अगर उस ने योरी की

فَقَدْ سَرَقَ أَخٌ لَّهُ مِنْ قَبْلُ ۗ فَاسْرَهَا يُوسُفُ

तो यकीनन ँस से पेडले उस के भाँड ने भी योरी की थी. डिर यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने

فِي نَفْسِهِ وَلَمْ يُبْدِهَا لَهُمْ ۗ قَالَ أَنْتُمْ شَرٌّ

० उस को अपने ज में छुपाया और उस को उन के सामने जाडिर नडी डिया. (दिल में) कडा तुम डुरी

مَكَانًا ۛ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا تَصِفُونَ ﴿۷۷﴾ قَالُوا يَا أَيُّهَا

જગા મેં હો. ઓર અલ્લાહ ખૂબ જાનતા હૈ ઉસ કો જો તુમ બયાન કર રહે હો. ઉન્હોં ને કહા કે એ

الْعَزِيزُ إِنَّ لَهُ أَبًا شَيْخًا كَبِيرًا فَخُذْ أَحَدَنَا

અઝીઝે મિસ્ર! યકીનન ઉસ કે બહોત ખૂબ્હે અબ્બા હૈ, ઇસ લિયે આપ હમ મેં સે કિસી એક કો ઉસ કી

مَكَانَهُ ۛ إِنَّا نُرِيدُكَ مِنَ الْبُحْسِنِينَ ﴿۷۸﴾ قَالَ مَعَاذَ

જગા પર રખ લીજિયે. યકીનન હમ આપ કો એહસાન કરને વાલોં મેં સે દેખ રહે હૈ. યૂસુફ (અલૈહિસ્સલામ)

اللَّهِ أَنْ نَأْخُذَ إِلَّا مَنْ وَجَدْنَا مَتَاعَنَا عِنْدَآءِ

ને ફરમાયા કે અલ્લાહ કી પનાહ હૈ ઇસ સે કે હમ લે મગર ઉસી શખ્સ કો જિસ કે પાસ હમ ને અપને સામાન કો પાયા.

إِنَّا إِذَا لَظَلِمُونَ ﴿۷۹﴾ فَلَمَّا اسْتَيْسَسُوا مِنْهُ خَلَصُوا

યકીનન તબ તો હમ ઝાલિમ હોંગે. ફિર જબ વો ઉન સે માયૂસ હો ગએ તો અલગ હો કર ઉન્હોં ને તન્હાઈ મેં

بِحَيِّآءٍ ۛ قَالَ كَبِيرُهُمْ أَلَمْ تَعْلَمُوا أَنَّ آبَاءَكُمْ

સરગોશી કી. ઉન મેં સે બડે ને કહા કયા તુમ્હેં માલૂમ નહી કે તુમ્હારે અબ્બા ને

قَدْ أَخَذَ عَلَيْكُمْ مَوْتِقًا مِنَ اللَّهِ وَمِنْ قَبْلُ

તુમ સે અલ્લાહ કા પુખ્તા અહદ લિયા હૈ ઓર તુમ્હેં માલૂમ નહી ઇસ સે પેહલે વો કોતાહી

مَا فَطَرْتُمْ فِي يُوسُفَ ۛ فَلَنْ أْبْرَحَ الْأَرْضَ

(ઝયાદતી) જો તુમ ને યૂસુફ (અલૈહિસ્સલામ) કે બારે મેં કી? મૈં અબ હરગિઝ ઇસ ઝમીન સે નહી ટલૂંગા

حَتَّى يَأْذَنَ لِي أَبِي أَوْ يَحْكُمَ اللَّهُ لِي ۛ وَهُوَ خَيْرٌ

જબ તક કે મેરે અબ્બા મુજે ઇજાઝત ન દે યા અલ્લાહ મેરા ફૈસલા કર દે. ઓર વો બેહતરીન

الْحَكِيمِينَ ﴿۸۰﴾ ارْجِعُوا إِلَىٰ آبَائِكُمْ فَقُولُوا يَا بَنَانَا

ફૈસલા કરને વાલા હૈ. તુમ અપને અબ્બા કે પાસ વાપસ જાઓ, ફિર કહો એ હમારે અબ્બા!

إِنَّ ابْنَكَ سَرَقَ ۛ وَمَا شَهِدْنَا إِلَّا بِمَا عَلِمْنَا

યકીનન આપ કે બેટે ને ચોરી કી. ઓર હમ ને ગવાહી નહી દી થી મગર ઉસી કે મુતાબિક જો હમે માલૂમ થા

وَمَا كُنَّا لِلْغَيْبِ حَفِظِينَ ﴿۸۱﴾ وَسَأَلَ الْقَرْيَةَ الَّتِي

ઓર હમ ગૈબ કો જાનને વાલે નહી થે. ઓર આપ ઉસ બસ્તી વાલોં સે પૂછ લીજિયે

كُنَّا فِيهَا وَالْعَيْرِ الَّتِي أَقْبَلْنَا فِيهَا ۛ وَإِنَّا

જિસ મેં હમ થે ઓર ઉન કાફલે વાલોં સે ભી જિસ મેં શામિલ હો કર હમ આએ હૈ. ઓર યકીનન હમ

لَصِدْقُونَ ﴿۷۷﴾ قَالَ بَلْ سَوَّلَتْ لَكُمْ أَنْفُسُكُمْ أَمْرًا

सख्ये हैं, यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के बल्के तुम्हारे लिये तुम्हारे नइसों ने अेक मुआमले को मुजय्यन किया है.

فَصَبْرٌ جَمِيلٌ ۖ عَسَى اللَّهُ أَنْ يَأْتِيَنِي بِهِمْ جَمِيعًا ۗ

अब तो सभ्र ही बेहतर है. उम्मीद है के अल्लाह मेरे पास उन को एकठा ले आये.

إِنَّهُ هُوَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ﴿۷۸﴾ وَتَوَلَّى عَنْهُمْ وَقَالَ

यकीनन वो ईल्म वाला, डिक्मत वाला है. और यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने उन की तरफ से मुंड फेरा और कडा

يَأْسَفِي عَلَى يُوسُفَ وَأَبِصَّتْ عَيْنُهُ مِنَ الْحُزْنِ

डाय अइसोस यूसुफ पर! ईस डाल में के उन की आंभों गम की वजह से सईद हो चुकी थीं,

فَهُوَ كَظِيمٌ ﴿۷۹﴾ قَالُوا تَاللَّهِ تَفْتَوًا تَذَكَّرُ يُوسُفَ

फिर वो भमुशकिल गम को जप्त कर रहे थे. उनहों ने कडा अल्लाह की कसम! आप तो यूसुफ को याद

حَتَّى تَكُونَ حَرَضًا أَوْ تَكُونَ مِنَ الْهَالِكِينَ ﴿۸۰﴾

करते रहोगे यहां तक के करीबुल मौत हो जाओ या डलाक होने वालों में से हो जाओगे. यअकूब (अलैहिस्सलाम)

قَالَ إِنَّمَا أَشْكُوا بَثِّي وَحُزْنِي إِلَى اللَّهِ وَ أَعْلَمُ

ने इरमाया के मैं तो इरयाद करता हूं अपनी बेकरारी और अपने गम की सिई अल्लाह से और

مِنَ اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿۸۱﴾ يَبْنَىٰ أَذْهَبُوا فَتَحَسَّسُوا

मैं जानता हूं अल्लाह की तरफ से वो भाते जो तुम जानते नहीं हो. अे मेरे भेटो! तुम जाओ, फिर तुम

مِنَ يُوسُفَ وَأَخِيهِ وَلَا تَأْتِسُوا مِنْ رَوْحِ اللَّهِ إِنَّهُ

तडकीक करो यूसुफ और उस के भाई के मुतअद्लिक और तुम मायूस मत हो अल्लाह की रहमत से.

لَا يَأْتِسُ مِنْ رَوْحِ اللَّهِ إِلَّا الْقَوْمُ الْكَافِرُونَ ﴿۸۲﴾

यकीनन अल्लाह की रहमत से मायूस नहीं होते मगर काफिर लोग. फिर जब

فَلَمَّا دَخَلُوا عَلَيْهِ قَالُوا يَايُّهَا الْعَزِيزُ مَسَّنَا وَأَهْلَنَا

वो यूसुफ (अलैहिस्सलाम) के पास पडोये तो कडा के अे अजीजे मिसर! हमे और हमारे घर वालों को कडतसाली

الضَّرُّ وَ جِئْنَا بِبِضَاعَةٍ مُّزْجَاةٍ فَأَوْفٍ لَنَا الْكَيْلَ

पडोयी है और हम नाकिस पूंज ले कर आये हैं, ईस लिये आप हमारे लिये गल्ला पूरा पूरा

وَ تَصَدَّقْ عَلَيْنَا ۚ إِنَّ اللَّهَ يَجْزِي الْمُتَصَدِّقِينَ ﴿۸۳﴾

दीजिये और हमें मजीद भी दीजिये. यकीनन अल्लाह सडका करने वालों को भदला देंगे.

قَالَ هَلْ عَلِمْتُمْ مَا فَعَلْتُمْ بِيُوسُفَ وَأَخِيهِ إِذْ أَنْتُمْ

यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने फ़रमाया क्या तुम्हें मालूम है वो हरकत जो तुम ने यूसुफ़ और उन के भाई के साथ की

جَهْلُونَ ﴿٩٧﴾ قَالُوا ءَأِنَّكَ لَأَنْتَ يُوسُفُ ۖ قَالَ أَنَا

जब के तुम ज़ाहिल थे? उन्होंने ने कडा के क्या आप ही यूसुफ़ हो? यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने फ़रमाया के मैं ही

يُوسُفُ وَهَذَا أَخِي ۚ قَدْ مَنَّ اللَّهُ عَلَيْنَا ۖ إِنَّهُ مَنَّ

यूसुफ़ हूँ और ये मेरा भाई है. यकीनन अल्लाह ने हम पर अल्लाहसान फ़रमाया. यकीनन जो भी

يَتَّقِ وَيَصْبِرْ فَإِنَّ اللَّهَ لَا يُضِيعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ﴿٩٨﴾

तकवा धर्मियार करता है और सभ्र करता है तो यकीनन अल्लाह नेकी करने वालों का अजर जायेअ नहीं करते.

قَالُوا تَاللَّهِ لَقَدْ أَتَرَكْنَا اللَّهَ عَلَيْنَا وَإِنْ كُنَّا لَخَطِئِينَ ﴿٩٩﴾

उन्होंने ने कडा के अल्लाह की कसम! अल्लाह ने आप को हम पर तरज्जुह दी और यकीनन हम कुसूरवार हैं.

قَالَ لَا تَثْرِبَ عَلَيْكُمُ الْيَوْمَ ۖ يَعْفِرُ اللَّهُ لَكُمْ ۚ

यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने फ़रमाया के आज तुम पर कोई गिरिफ़्त नहीं है. अल्लाह तुम्हें माफ़ करे.

وَهُوَ أَرْحَمُ الرَّحِمِينَ ﴿١٠٠﴾ إِذْ هَبُوا بِقِمِيصِي هَذَا

और वो रलम करने वालों में सभ से बेहतरीन रलम करने वाला है. तुम मेरे कुर्ते को ले कर जाओ,

فَالْقَوَاهُ عَلَىٰ وَجْهِ أَبِي يَأْتِ بَصِيرًا ۚ وَأَتُونِي بِأَهْلِكُمْ

फ़िर उस को मेरे अब्बा के येडरे पर डाल दो, तो वो भीना हो जायेंगे. और तुम अपने तमाम

أَجْمَعِينَ ﴿١٠١﴾ وَلَمَّا فَصَلَتِ الْعِيرُ قَالَ أَبُوهُمْ

घर वालों को मेरे पास ले आओ. और जब ये काइला मिसर से यला तो उन के अब्बा ने कडा के

إِنِّي لَأَجِدُ رِيحَ يُوسُفَ لَوْلَا أَنْ تَفْتَدُونِ ﴿١٠٢﴾

मैं यूसुफ़ की भुशभू पा रहा हूँ, अगर तुम मुज में बुण्डापे की अकल की कमी का शुभल न करो.

قَالُوا تَاللَّهِ إِنَّكَ لَفِي ضَلَالِكَ الْقَدِيمِ ﴿١٠٣﴾ فَلَمَّا

उन्होंने ने कडा के अल्लाह की कसम! आप तो बहस्तूर अपनी पुरानी गलतईहमी में हो. फ़िर जब

أَنْ جَاءَ الْبَشِيرُ أَلْقَاهُ عَلَىٰ وَجْهِهِ فَارْتَدَّ بَصِيرًا ۚ

भशारत देने वाला आया तो कुर्ते को आप के येडरे पर डाल दिया, तो आप भीना हो गये.

قَالَ أَلَمْ أَقُلْ لَكُمْ ۖ إِنِّي آتِيكُمْ مِنَ اللَّهِ مَلَا

यअझूब (अलैहिस्सलाम) ने फ़रमाया क्या मैंने तुम से कडा नहीं था के मैं अल्लाह की तरफ़ से जानता हूँ वो जो तुम

تَعْلَمُونَ ﴿۹۶﴾ قَالُوا يَا أَبَانَا اسْتَغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا إِنَّا كُنَّا

जानते नहीं थे। उन्होंने ने कहा के अहमारे अहमारे! आप अहमारे ललये अहमारे गुनाहों की भगकरत तलभ कीजये, यकीनन अहम

خَطِيئِينَ ﴿۹۷﴾ قَالَ سَوْفَ أَسْتَغْفِرُ لَكُمْ رَبِّي ۖ إِنَّهُ هُوَ

कुसूरवार है. यअकूभ (अलैहलससलललम) नेकरभलल के अनकरीभ मैतुभलारे ललये अडने रभ से ँरलतगकर करंगा. यकीनन वो

الْغَفُورُ الرَّحِيمُ ﴿۹۸﴾ فَلَمَّا دَخَلُوا عَلَى يُوسُفَ أَوَى

भभशने वललल, नलडलयत रअम वललल है. कर जभ वो यूसूक (अलैहलससलललम) के डलस डलये, तो यूसूक (अलैहलससलललम)

إِلَيْهِ أَبُوَيْهِ وَ قَالَ ادْخُلُوا مِصْرَ إِن شَاءَ اللَّهُ

ने अडने डलस अडने वलललहैन को जगल दी और कडल के तुभ भलसर मै अभन से दलभलल अओ जलओ अगर अलललड

أَمِينٌ ﴿۹۹﴾ وَرَفَعَ أَبُوَيْهِ عَلَى الْعَرْشِ وَخَرُّوا لَهُ

नेललल. और यूसूक (अलैहलससलललम) ने अडने वलललहैन को तभत डर भुलनद जगल भलडललल और सभ लओ यूसूक (अलैहलससलललम) के

سُجَّدًا ۚ وَقَالَ يَا بَتِ هَذَا تَأْوِيلُ رُءْيَايَ

सलभने सजद मै गलर गअे. और यूसूक (अलैहलससलललम) ने कडल के अे भरे अहमारे! ये भरे ँस से डेडले वलले

مِنْ قَبْلُ ۚ قَدْ جَعَلَهَا رَبِّي حَقًّا ۖ وَقَدْ أَحْسَنَ بِي

डवलभ की तलभीर है. यकीनन भरे रभ ने असे सय कर दलभलललल. और असे ने भरे सलथ अेडसलन

إِذْ أَخْرَجْتَنِي مِنَ السِّجْنِ وَجَاءَ بِكُمْ مِنَ الْبَدْوِ

कललल जभ के भुजे जेलभलने से नलकललल और देडलत से ले अललल

مِنْ بَعْدِ أَنْ تَزَغَ الشَّيْطَانُ بَيْنِي وَ بَيْنَ إِخْوَتِي ۖ

अस के भलद के शैतलन ने भरे और भरे तललथों के दरभललन जडलल डललल थल.

إِنَّ رَبِّي لَطِيفٌ لِّمَا يَشَاءُ ۖ إِنَّهُ هُوَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ﴿۱۰۰﴾

यकीनन भेरा रभ भलरीक तदभीर करने वललल है जलस कलम के ललये ललडतल है. यकीनन वो ँल्लम वललल,

رَبِّ قَدْ آتَيْتَنِي مِنَ الْمَلِكِ وَعَلَّمْتَنِي

ललकभत वललल है. अे भरे रभ! यकीनन तू ने भुजे सलतनत अतल की और तू ने भुजे

مِنْ تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ ۚ فَاطَرَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۚ

डवलभों की तलभीर कल ँल्लम दललल. अे आसुमलनों और जभलन के डैदल करने वलले!

أَنْتَ وَلِيٌّ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۚ تَوْفِيقِي مُسْلِمًا

तू डी भेरा दुन्यल और आभलरत मै कलरसलज है. तू भुजे भुसललभलन डेने की डललत मै वकलत दे



وَأَلْحَقْنِي بِالصَّالِحِينَ ﴿۱۱﴾ ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْغَيْبِ

और मुझे सुलहा के साथ मिला दे. ये गैब की ખबरों में से है जिस को हम आप की तरफ वही कर

نُوحِيهِ إِلَيْكَ ۚ وَمَا كُنْتُ لَدَيْهِمْ إِذْ أَجْمَعُوا أَمْرَهُمْ

रहे हैं. और आप उन के पास मौजूद नहीं थे जब उन्होंने ने अपने मुआमले पर इत्तिफाक किया

وَهُمْ يَكْفُرُونَ ﴿۱۲﴾ وَمَا أَكْثَرُ النَّاسِ وَلَوْ حَرَصْتَ

ईस डाल में के वो मक कर रहे थे. और लोगों में से अकसर इमान लाने वाले नहीं हैं अगरये आप

بِمُؤْمِنِينَ ﴿۱۳﴾ وَمَا تَسْأَلُهُمْ عَلَيْهِ مِنْ أَجْرٍ ۗ

कितने ही उरीस हो. डालांके आप उन से उस पर किसी अजर का सवाल नहीं करते.

إِنْ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ ﴿۱۴﴾ وَكَانَ مِنْ آيَاتِهِ

ये तो सिर्फ तमाम जडान वालों के लिये नसीहत है. और खडोत सी निशानियां हैं

فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ يَمُرُّونَ عَلَيْهَا وَهُمْ عَنْهَا

जमीन और आस्मानों में जिन पर वो गुजरते हैं इस डाल में के वो उस से

مُعْرِضُونَ ﴿۱۵﴾ وَمَا يُؤْمِنُ أَكْثَرُهُمْ بِاللَّهِ إِلَّا وَهُمْ

मुंड मोडते हैं. और उन में से अकसर अल्लाह पर इमान नहीं रખते मगर इस तरड के वो

مُشْرِكُونَ ﴿۱۶﴾ أَفَأَمَّنُوا أَنْ تَأْتِيَهُمْ غَاشِيَةٌ

शिक भी करते जाते हैं. क्या फिर वो इस से मामून हैं के उन के पास अल्लाह के अजाब में से

مِّنْ عَذَابِ اللَّهِ أَوْ تَأْتِيَهُمُ السَّاعَةُ بَغْتَةً وَهُمْ

ढांपने वाला अजाब आ जाये या उन के पास क्यामत अयानक आ जाये इस डाल में के उन्हें

لَا يَشْعُرُونَ ﴿۱۷﴾ قُلْ هَذِهِ سَبِيلِي أَدْعُوا إِلَى اللَّهِ

पता न हो? आप इरमा दीजिये ये मेरा रास्ता है, मैं अल्लाह की तरफ बसीरत के साथ

عَلَىٰ بَصِيرَةٍ أَنَا وَمَنِ اتَّبَعَنِي ۖ وَسُبْحَانَ اللَّهِ

दावत देता हूँ मैं भी और वो भी जिन्हों ने मेरा इत्तिबा किया. और अल्लाह पाक है

وَمَا أَنَا مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿۱۸﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ

और मैं मुशरिकीन में से नहीं हूँ. और हम ने आप से पेडले रसूल नहीं भेजे

إِلَّا رِجَالًا نُّوحِي إِلَيْهِمْ مِنْ أَهْلِ الْقُرَىٰ ۗ أَفَلَمْ يَسِيرُوا

मगर मर्दों को बस्तियों वालों में से जिन की तरफ हम वही भेजते थे. क्या फिर वो जमीन

فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ

में यले फिरे नहीं के देखते के उन का अन्जाम कैसा हुवा जो

مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ وَلِدَارُ الْأَخِرَةِ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ اتَّقَوْا ۗ

उन से पेहले थे. और अलबत्ता आभिरत का घर भेडतर हे उन के लिये जो मुत्तकी हे.

أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۱۰﴾ حَتَّىٰ إِذَا اسْتَيْسَسَ الرُّسُلُ

क्या फिर तुम्हें अकल नहीं? यहां तक के जब पैगम्बर मायूस हो गये

وَوَظَنُوا أَنَّهُمْ قَدْ كُذِّبُوا جَاءَهُمْ نَصْرُنَا ۖ فَنَبَّيْ

और उनको ने गुमान किया के उन्हें जूठलाया गया तो उन के पास हमारी नुस्सत आ गई, फिर उन्हें

مَنْ نَشَاءُ ۖ وَلَا يُرَدُّ بَأْسُنَا عَنِ الْقَوْمِ الْمُجْرِمِينَ ﴿۱۱﴾

नजात दे दी गई जिन्हें हम ने याडा. और हमारा अजाब लौटाया नहीं जाता मुजरिम कौम से.

لَقَدْ كَانَ فِي قَصَصِهِمْ عِبْرَةٌ لِأُولِي الْأَلْبَابِ ۗ

यकीनन उन के किस्सों में अकल वालों के लिये ईब्रत हे.

مَا كَانَ حَدِيثًا يُفْتَرَىٰ وَلَٰكِن تَصْدِيقَ الَّذِي

ये कोई ऐसी बात नहीं है जिस को घड लिया जाये, लेकिन उन किताबों की तस्दीक हे जो

بَيْنَ يَدَيْهِ وَ تَفْصِيلَ كُلِّ شَيْءٍ وَهُدًى

ईस से पेहले थी और हर चीज की तफ्सील हे और छिदायत

و رَحْمَةً لِّلْقَوْمِ الْيُؤْمِنُونَ ﴿۱۲﴾

और रहमत हे ऐसी कौम के लिये जो ईमान लाये.

رُكُوعًا ۖ

(۱۳) سُورَةُ الرَّعْدِ مَائِيَةً (۹۶)

آيَاتِهَا ۴۳

और ६ रुकूअ हे सूरे २२६ मदीना में नाजिल हुई ईस में ४३ आयतें हे

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला हे

السَّرَّافِ تِلْكَ آيَةُ الْكِتَابِ ۗ وَالَّذِي أُنزِلَ إِلَيْكَ

अलिफ़ लाम मीम रा. ये ईस किताब की आयतें हे. और जो कुरआन आप की तरफ़ आप के रब की

مِنْ رَبِّكَ الْحَقُّ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱﴾

तरफ़ से उतारा गया वो उक हे, लेकिन अकसर लोग ईमान नहीं लाते.

اللَّهُ الَّذِي رَفَعَ السَّمَوَاتِ بِغَيْرِ عَمَدٍ تَرَوْنَهَا

अवलाह ही है जिस ने आस्मानों को बुलन्द किया जैसे सुतून के बगैर जिस को तुम देखो,

ثُمَّ اسْتَوَىٰ عَلَى الْعَرْشِ وَسَحَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ

फिर वो अर्श पर मुस्तवी हुवा और उस ने सूरज और चाँद को काम में लगा रखा है.

كُلٌّ يَجْرِي لِأَجَلٍ مُّسَمًّى ۖ يُدَبِّرُ الْأَمْرَ يُفَصِّلُ

सब के सब चलते रहेंगे मुकर्ररा वकत तक के लिये. वो तमाम उमूर की तदबीर करता है, आयात को तफ्सील

الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ بِلِقَاءِ رَبِّكُمْ تُوقِنُونَ ۖ وَهُوَ الَّذِي

से भयान करता है ताके तुम अपने रब की मुलाकात पर यकीन रभो. और वही अवलाह है जिस ने

مَدَّ الْأَرْضَ وَجَعَلَ فِيهَا رَوَاسِيَ وَأَنْهَارًا

जमीन को फैलाया और उस में पहाड रभ दिये और नेहरो को बनाया.

وَمِنْ كُلِّ الشَّجَرِ جَعَلَ فِيهَا زَوْجَيْنِ اثْنَيْنِ يُغْشَىٰ

और तमाम इलों के उस ने जमीन में जोडे (नर और मादा) बनाये, वो रात को दिन पर

الَّيْلَ النَّهَارَ ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ ۖ

ढापता है. यकीनन उस में अलभता निशानियां हैं ऐसी कौम के लिये जो सोचती है.

وَفِي الْأَرْضِ قِطْعٌ مُّتَجَوِّرَةٌ وَجَنَّتْ مِنْ أَعْنَابٍ

और जमीन में मिले जुले टुकडे हैं और अंगूर के बागात हैं और भेतियां हैं और भजूर के बागात हैं, कुछ

وَأَزْرَعُ وَنَخِيلٌ صِنَوَانٌ وَغَيْرُ صِنَوَانٍ يُسْقَىٰ بِمَاءٍ

शाभों वाले डोते हैं और कुछ शाभों वाले नही डोते, डालांके अक ही पानी से उन्हे सैराभ किया

وَإِحْدِثَ وَنُفِضَ بَعْضَهَا عَلَىٰ بَعْضٍ فِي الْأُكُلِ ۖ

जाता है. और उम उन में से अक को दूसरे से बणडा देते हैं मजों में.

إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يَعْقِلُونَ ۖ وَإِنْ تَعَجَبْ

यकीनन इस में निशानियां हैं ऐसी कौम के लिये जो अकल रभती है. और अगर आप तअज्जुब करे

فَعَجَبٌ قَوْلُهُمْ ءَإِذَا كُنَّا تُرَابًا ءَأَنَّا لَفِي خَلْقٍ

तो उन की ये बात काबिले तअज्जुब है के क्या जब उम मिट्टी हो जायेंगे तो क्या उम अज सरे नौ

جَدِيدَةٍ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ كَفَرُوا بِرَبِّهِمْ وَأُولَٰئِكَ

जिन्हा किये जायेंगे? उन्हों ने अपने रब के साथ कुछ किया. और उन की

الْأَغْلُلُ فِيَّ أَعْنَقِهِمْ ۚ وَ أَوْلِيكَ النَّارُ

गर्दनों में तौक होंगे. और यही लोग होजायी हैं,

هُمْ فِيهَا خُلْدُونَ ۝ وَ يَسْتَعْجِلُونَكَ بِالسَّيِّئَةِ

वो उस में उभेशा रहेंगे. और ये आप से बुराई को जल्दी तलब कर रहे हैं

قَبْلَ الْحَسَنَةِ وَقَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِمُ الْمَثَلُط

भलाई से पहले, उलांके उन से पहले भी अजाब गुजर चुके हैं.

وَإِنَّ رَبَّكَ لَذُو مَغْفِرَةٍ لِّلنَّاسِ عَلَى ظُلْمِهِمْ ۚ

और यकीनन तेरा रब अलबत्ता ई-सानों की उन के जुल्म के भावजूद मगफिरत करने वाला है.

وَإِنَّ رَبَّكَ لَشَدِيدُ الْعِقَابِ ۝ وَ يَقُولُ الَّذِينَ

और यकीनन तेरा रब सप्त सजा देने वाला है. और काफ़िरो ने

كَفَرُوا لَوْلَا أَنْزَلَ عَلَيْهِ آيَةً مِّن رَّبِّهِ ۚ إِنَّمَا

कहा के ईस नबी पर उस के रब की तरफ़ से कोई मोअजिजा क्यूं नहीं उतारा गया? आप तो सिर्फ़

أَنْتَ مُنذِرٌ وَوَلِيٌّ قَوْمٍ هَادٍ ۝ اللَّهُ يَعْلَمُ

उराने वाले हैं और उर कौम के लिये अक़ उादी होता है. अल्लाह जानता है उसे जो उर

مَا تَحْمِلُ كُلُّ أُنْثَىٰ وَمَا تَغِيصُ الرَّحَامُ وَمَا تَرْدَادُ

मादा उामिला होती है और उसे भी जिसे बरय्यादानियां भुशक कर देती हैं और उसे भी जो बण्डाती हैं.

وَ كُلُّ شَيْءٍ عِنْدَكَ بِبِقَدَارٍ ۝ عِلْمُ الْغَيْبِ

और उर चीज अल्लाह के पास अक़ मिकदार के साथ है. वो पोशीदा और उाहिर का जानने

وَ الشَّهَادَةِ الْكَبِيرِ الْمُبْتَعَالِ ۝ سَوَاءٌ مِّنْكُمْ مَّنْ أَسَرَ

वाला है, बडा है, भरतर है. तुम में से बराबर हैं वो सब जो बात को चुपके से

الْقَوْلَ وَمَنْ جَهَرَ بِهِ وَمَنْ هُوَ مُسْتَخْفٍ بِاللَّيْلِ

कहें और जो जोर से कहें और जो रात में छुपना चाहें और जो

وَ سَارِبٌ بِالنَّهَارِ ۝ لَهُ مُعَقَّبَاتٌ مِّنْ بَيْنِ يَدَيْهِ

दिन में भुल्लमभुल्ला चलने वाले हों. ई-सान के लिये भारी भारी आने जाने वाले इरिशते हैं

وَمِنْ خَلْفِهِ يَحْفَظُونَهُ مِنْ أَمْرِ اللَّهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ

उस के आगे से और उस के पीछे से जो उस की डिफ़ाजत करते हैं अल्लाह के अम्र से. यकीनन अल्लाह

لَا يُغَيِّرُ مَا بِقَوْمٍ حَتَّىٰ يُغَيِّرُوا مَا بِأَنْفُسِهِمْ ۗ

बदलता नहीं उस हालत को जो किसी कौम के साथ है यहाँ तक के वो भुद न बदलें उस को जो उन के अन्दरन में है।

وَإِذَا أَرَادَ اللَّهُ بِقَوْمٍ سُوءًا فَلَا مَرَدَّ لَهُ ۗ وَمَا لَهُمْ

और जब अल्लाह किसी कौम के साथ बुराई का धरादा करते हैं तो उसे लौटाया नहीं जा सकता. और उन के लिये

مَنْ دُونَهُ مِنْ وَاِلٰٓٔ ۙ هُوَ الَّذِي يُرِيكُمْ الْبَرْقَ خَوْفًا

अल्लाह के सिवा कोई भयाने वाला नहीं. वही अल्लाह तुम्हें बिजली दिभाता है भौंक

وَ طَمَعًا ۗ وَيُنشِئُ السَّحَابَ الثِّقَالَ ۙ وَ يُسَبِّحُ الرَّعْدُ

और लालच के लिये और वो भारी बादलों को उठाता है. और रअद इरिशता अल्लाह की उम्ह के साथ

بِحَمْدِهِ ۗ وَالْمَلَائِكَةُ مِنْ خِيفَتِهِ ۗ وَيُرْسِلُ

तस्बीह पण्डता है, और इरिशते भी तस्बीह पण्डते हैं अल्लाह के भौंक से. और अल्लाह

الصَّوَاعِقَ فَيُصِيبُ بِهَا مَنْ يَشَاءُ ۗ وَهُمْ يُجَادِلُونَ

बिजलियों को भेजता है, फिर उसे पड़ोयता है जिस पर यादता है इस हाल में के वो अल्लाह के बारे में

فِي اللَّهِ ۗ وَهُوَ شَدِيدُ الْحَالِ ۙ لَهُ دَعْوَةُ الْحَقِّ ۗ

जघड रहे होते हैं. और वो मजबूत तदबीर वाला है. उसी के लिये उक की पुकार है.

وَالَّذِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ لَا يَسْتَجِيبُونَ لَهُمْ

और जिन को अल्लाह के अलावा ये पुकारते हैं वो उन की किसी पुकार का जवाब नहीं दे सकते

بِشَيْءٍ ۗ إِلَّا كَبَاسِطٍ كَفَّيْهِ إِلَى الْمَاءِ لِيَبْلُغَ فَاهُ

मगर अपने दोनों हाथ पानी की तरफ फैलाने वाले की तरफ, ताके वो पानी उस के मुँह में पड़ोय जाये,

وَمَا هُوَ بِبَالِغِهِ ۗ وَمَا دُعَاءُ الْكَافِرِينَ إِلَّا فِي ضَلٰٓٔ ۙ

हालांके वो उस के मुँह में पड़ोयने वाला नहीं है. और काफ़िरो की पुकार जो भी है वो सिर्फ गुमराही है.

وَلِلَّهِ يَسْجُدُ مَنْ فِي السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ طَوْعًا وَكَرْهًا

और अल्लाह को सजदा करती हैं वो तमाम चीजें जो आस्मानों में हैं और जमीन में हैं भुशी से और

وَظَلَمَهُم بِالْعُدُوِّ وَالْاٰصَالِ ۙ قُلْ مَنْ رَبُّ

जबरदस्ती और उन के साथे भी, सुण्ड और शाम के वकत में. आप पूछिये के आस्मानों और

السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ۗ قُلِ اللّٰهُ ۗ قُلْ اَفَاتَّخَذْتُمْ مِّنْ

जमीन का रब कौन है? आप इरमा दीजिये के अल्लाह. आप कडिये क्या तुम ने अल्लाह के सिवा

دُونَهُ أَوْلِيَاءَ لَّا يَمْلِكُونَ لِأَنفُسِهِمْ نَفْعًا وَلَا ضَرًّا ط

ऐसे हिमायती बना लिये हैं जो अपने लिये किसी नफ़ा और नुकसान के मालिक नहीं हैं?

قُلْ هَلْ يَسْتَوِي الْأَعْمَىٰ وَالْبَصِيرُ أَمْ هَلْ تَسْتَوِي

आप पूछिये क्या अन्धा और भीना बराबर हो सकते हैं? या क्या तारीकियां और नूर बराबर

الظُّلُمَاتُ وَالنُّورُ أَمْ جَعَلُوا لِلَّهِ شُرَكَاءَ خَلَقُوا

हो सकते हैं? या उन्होंने अल्लाह के जो शूरका बनाए हैं उन्होंने कोई चीज़ पैदा की है अल्लाह के मजबूक

كَخَلَقَهُ فَتَشَابَهَ الْخَلْقُ عَلَيْهِمْ ط قُلِ اللَّهُ خَالِقُ

पैदा करने की तरफ़ के फिर उन कुफ़र पर मजबूक मुश्तअह हो गई है? आप इरमा दीजिये के अल्लाह हर चीज़

كُلِّ شَيْءٍ وَهُوَ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ۝ أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ

को पैदा करने वाला है और वो यकता है, गालिब है. उस ने आस्मान से पानी

مَاءً فَسَالَتْ أَوْدِيًا بِقَدَرِهَا فَاحْتَمَلَ السَّيْلُ

उतारा, फिर वादियां अपनी (वुस्अते) मिकदार के अतेबार से भेड़ पड़ी, फिर सैलाब उभरे हुवे

زَبَدًا زَابِيًا ۖ وَمِمَّا يُوقِدُونَ عَلَيْهِ فِي النَّارِ

जाघ को उठा कर लाता है. और उन चीज़ों का भी उसी जैसा जाघ होता है जिसे ये

أَبْغَاءَ حَلِيَّةٍ أَوْ مَتَاعِ زَبَدٍ مِّثْلَهُ ط كَذَلِكَ يَضْرِبُ

उेवर या सामान बनाने के लिये आग में तपाते हैं. इस तरफ़ अल्लाह

اللَّهُ الْحَقُّ وَالْبَاطِلُ ۖ فَاَمَّا الزَّبَدُ فَيَذْهَبُ جُفَاءً ۗ

हक और भातिल की मिसालें भयान करता है. फिर अलभत्ता जाघ तो भुश्क हो कर भत्म हो जाता है.

وَأَمَّا مَا يَنْفَعُ النَّاسَ فَيَمْكُتُ فِي الْأَرْضِ ط كَذَلِكَ

और अलभत्ता जो चीज़ इंसानों को नफ़ा देती है वो ज़मीन में डेडेर जाती है. इसी तरफ़

يَضْرِبُ اللَّهُ الْأَمْثَالَ ۝ لِلَّذِينَ اسْتَجَابُوا لِرَبِّهِمْ

अल्लाह मिसालें भयान करते हैं. उन लोगों के लिये जिन्होंने अपने रब का केहना माना उन के लिये

الْحُسْنَىٰ ۖ وَالَّذِينَ لَمْ يَسْتَجِيبُوا لَهُ لَوْ أَنَّ لَهُمْ

मलाई है. और जिन्होंने अपने रब का केहना नहीं माना अगर उन की मिल्क बन जाये वो तमाम चीज़ें जो ज़मीन

مَا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا ۖ وَمِثْلَهُ مَعَهُ لَافْتَدَوْا بِهِ ط

में हैं सारी की सारी और उस के जैसी उस के साथ और भी हो जाये तो भी यकीनन वो उस को इफ़ये में दे देंगे.

أُولَئِكَ لَهُمْ سُوءُ الْحِسَابِ ۚ وَمَأْوَاهُمْ جَهَنَّمُ ۗ

उन के लिये बढतरिन हिसाब होगा और उन का ठिकाना जहन्नम होगा।

وَبِئْسَ الْبِهَادُ ۙ أَفَمَنْ يَعْلَمُ أَنَّمَا أُنزِلَ إِلَيْكَ

और वो बुरी आराम की जगा है. क्या फिर वो शप्स जो ये जानता है के जो आप की तरफ आप के रब की

مِنْ رَبِّكَ الْحَقُّ كَمَنْ هُوَ أَعْمَى ۗ إِنَّمَا يَتَذَكَّرُ

तरफ से उतारा गया वो उक है वो उस शप्स की तरफ हो सकता है जो अन्धा है? नसीहत तो सिर्फ

أُولَئِكَ الْأَلْبَابِ ۙ الَّذِينَ يُؤْفُونَ بِعَهْدِ اللَّهِ

अकल वाले ही हसिल करते हैं. वो लोग जो अल्लाह के अहद को पूरा करें

وَلَا يَنْقُضُونَ الْبَيْثَاقَ ۙ وَالَّذِينَ يَصِلُونَ مَا أَمَرَ اللَّهُ

और पुप्ता अहद न तोड़ें. और जो जोड़ें उन तअल्लुकात को जिन के जोड़े रभने का

بِهِ أَنْ يُوْصَلَ وَيَخْشَوْنَ رَبَّهُمْ وَيَخَافُونَ سُوءَ

अल्लाह ने हुकम दिया और जो अपने रभ से डरें और जो हिसाब की सप्ती

الْحِسَابِ ۙ وَالَّذِينَ صَبَرُوا ابْتِغَاءَ وَجْهِ رَبِّهِمْ وَأَقَامُوا

से डरें. और वो लोग जिन्हों ने सभ्र किया अपने रभ की रजा तलभ करने के लिये और जिन्हों ने नमाज

الصَّلَاةَ وَأَنْفَقُوا مِمَّا رَزَقْنَاهُمْ سِرًّا وَعَلَانِيَةً

काथम की और भर्य किया उन थीजों में से जो डम ने उन्हे रोजी के तौर पर दी चुपके और अलानिया

وَيَذَرُونَ بِالْحَسَنَةِ السَّيِّئَةَ أُولَئِكَ لَهُمْ عُقْبَى

और जो भलाई के जरिये बुराई को दफा करते हैं, उन के लिये पिछला (आभिरत

الدَّارِ ۙ جَنَّتٌ عَدْنٍ يَدْخُلُونَهَا وَمَنْ صَلَحَ

का) घर है. जो जन्नाते अहन हैं जिन में वो दाभिल होंगे, वो भी और वो लोग भी जो लाईक होंगे

مِنْ آبَائِهِمْ وَأَزْوَاجِهِمْ وَذُرِّيَّاتِهِمْ وَالْمَلَائِكَةُ يَدْخُلُونَ

उन के आभा व अजदाह में से और उन की भीवियों में से और उन की औलाह में से और इरिश्ते उन पर

عَلَيْهِمْ مِنْ كُلِّ بَابٍ ۙ سَلَامٌ عَلَيْكُمْ بِمَا صَبَرْتُمْ فَنِعْمَ

उर दरवाजे से दाभिल होते होंगे. (कहेंगे) अस्सलामु अलयकुम (तुम पर सलामती हो), उस सभ्र के बहले में जो तुम ने

عُقْبَى الدَّارِ ۙ وَالَّذِينَ يَنْقُضُونَ عَهْدَ اللَّهِ مِنْ بَعْدِ

किया, फिर ये आभिरत का घर कितना अरुण है. और जो अल्लाह के अहद को तोड़ते हैं उस के पुप्ता करने

مِيثَاقِهِ وَ يَقْطَعُونَ مَا أَمَرَ اللَّهُ بِهِ أَنْ يُوصَلَ

के बाद और उन तअद्लुकात को तोड़ते हैं जिन के जोड़े रहने का अद्लाह ने हुकम दिया

وَيُفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ ۖ أُولَٰئِكَ لَهُمُ اللَّعْنَةُ وَلَهُمْ

और जो जमीन में इसाद फैलाते हैं, उन के लिये लानत है और उन के लिये मुसीबत का

سُوءُ الدَّارِ ﴿٥٥﴾ اللَّهُ يَبْسُطُ الرِّزْقَ لِمَنْ يَشَاءُ وَيَقْدِرُ

घर है. अद्लाह रोजी कुशादा करते हैं जिस के लिये यादते हैं और तंग करते हैं जिस के लिये यादते हैं.

وَ فَرِحُوا بِالْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۖ وَمَا الْحَيَاةُ الدُّنْيَا

और ये लोग दुन्यवी जिन्दगी पर भुश हैं. और दुन्यवी जिन्दगी आभिरत

فِي الْآخِرَةِ إِلَّا مَتَاعٌ ﴿٥٦﴾ وَيَقُولُ الَّذِينَ كَفَرُوا

के मुकाबले में नहीं है मगर थोडा सा झंझडा उठाना. और काफिर लोग कहते हैं के इस नबी पर उस के

كَوْلًا أَنْزَلَ عَلَيْهِ آيَةٌ مِّن رَّبِّهِ ۗ قُلْ إِنَّ اللَّهَ يُضِلُّ مَنْ

रब की तरफ से कोई भोअजिजा क्युं नहीं उतारा गया? आप इरमा दीजिये के यकीनन अद्लाह गुमराड

يَشَاءُ ۖ وَيَهْدِي إِلَىٰهِ مَن آتَابَ ﴿٥٧﴾ الَّذِينَ آمَنُوا

करते हैं जिसे यादते हैं और छिदायत देते हैं अपनी तरफ उसे जो मुतवज्जेल होता है. वो लोग जो धिमान लाअे

وَ تَطْمَئِنُّ قُلُوبُهُمْ بِذِكْرِ اللَّهِ ۗ أَلَا بِذِكْرِ اللَّهِ

और जिन के दिल अद्लाह की याद से मुत्मईन हैं. सुनो! अद्लाह की याद ही से

تَطْمَئِنُّ الْقُلُوبُ ﴿٥٨﴾ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

दिल धिम्नान पाते हैं. वो लोग जो धिमान लाअे और जो नेक काम करते रहे

طُوبَىٰ لَهُمْ وَحَسَنُ مَا بِ ۖ كَذَٰلِكَ أَرْسَلْنَاكَ

उन के लिये तूबा है और अच्छा अज्जाम है. इसी तरड डम ने आप को रसूल बना कर भेजा

فِي أُمَّةٍ قَدْ خَلَتْ مِن قَبْلِهَا أُمَمٌ لِّتَتْلُوا عَلَيْهِمْ

उस उम्मत में जिस से पेडले बडोत सी उम्मतें गुजर चुकी हैं, ताके आप उन पर तिलावत करें

الَّذِي أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ وَهُمْ يَكْفُرُونَ بِالرَّحْمَنِ ۗ قُلْ

वो जो डम ने आप की तरफ वही की और ये रहमान के साथ कुफ़ कर रहे हैं. आप इरमा दीजिये के

هُوَ رَبِّي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ وَإِلَيْهِ

वो मेरा रब है, उस के सिवा कोई भाबूद नहीं, उसी पर मैं ने तवक्कुल किया और उसी की तरफ



مَتَابٍ ۝ وَلَوْ أَنَّ قُرْآنًا سُيِّرَتْ بِهِ الْجِبَالُ

मेरा लौटना है. और अगर कुर्आन ऐसा होता के जिस के जरिये पहाड़ों को खलाया जाता

أَوْ قَطَّعَتْ بِهِ الْأَرْضُ أَوْ كَلِمَ بِهِ الْمَوْتَى ۖ بَلْ لِلَّهِ

या उस के जरिये जमीन को काटा जाता, या उस के जरिये मुर्दों से बुलवाया जाता (तब भी ये धिमान न लाते).

الْأَمْرُ جَمِيعًا ۖ أَفَلَمْ يَأْتِئِسَ الَّذِينَ آمَنُوا أَنَّ

भलके अल्लाह ही के लिये तमाम उमूर हैं. क्या फिर वो लोग जो धिमान लाअे हैं इस से मायूस नहीं

لَوْ يَشَاءُ اللَّهُ لَهْدَى النَّاسَ جَمِيعًا ۖ وَلَا يَزَالُ

हुवे के अगर अल्लाह याहता तो तमाम धिंसानों को छिदायत दे देता. और काफ़िरो को उन

الَّذِينَ كَفَرُوا تُصِيبُهُمْ بِمَا صَنَعُوا قَارِعَةٌ أَوْ تَحُلُّ

हरकतों की वजह से जो उनको ने की हैं बराबर मुसीबत पड़ोयती रहेगी या उन के घर के करीब में

قَرِيْبًا مِّنْ دَارِهِمْ حَتَّىٰ يَأْتِيَ وَعْدُ اللَّهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ

उतरती रहेगी यहाँ तक के अल्लाह का वादा आ पड़ोये. यकीनन अल्लाह

لَا يُخْلِفُ الْبِعَادَةَ ۖ وَلَقَدْ اسْتَهْزَيْتُمْ بِرُسُلِ

वादे के भिलाफ़ नहीं करेगे. यकीनन आप से पेहले पैगम्बरों के साथ भी

مِّنْ قَبْلِكَ فَأَمَلَيْتَ لِلَّذِينَ كَفَرُوا ثُمَّ أَخَذْتَهُمْ ۖ

धिस्तलजा किया गया, फिर मैं ने काफ़िरो को ढील दी, फिर मैं ने उन को पकडा. फिर मेरा अजाब कैसा रहा?

فَكَيْفَ كَانَ عِقَابِ ۚ أَفَمَنْ هُوَ قَائِمٌ عَلَىٰ كُلِّ نَفْسٍ

क्या फिर वो जात जो हर शम्स पर निगरां है उन आमाह की जो उस ने किये (वो जात और शुरका

بِمَا كَسَبَتْ ۖ وَجَعَلُوا لِلَّهِ شُرَكَاءَ ۖ قُلْ سَمُّوهُمْ

बराबर हैं? नहीं!) उनको ने अल्लाह के लिये शुरका बना लिये हैं आप पूछिये के तुम उन के नाम भतलाओ.

أَمْ تُدَّبُّونَهُ ۖ بِمَا لَا يَعْلَمُ فِي الْأَرْضِ أَمْ بِظَاهِرٍ

क्या तुम अल्लाह को भबर देते हो ऐसी चीज की जिस को वो जमीन में नहीं जानता या भातों में से

مِّنَ الْقَوْلِ ۖ بَلْ زُيِّنَ لِلَّذِينَ كَفَرُوا مَكْرَهُمْ وَصَدُّوا

सरसरी भात तुम करते हो? भलके काफ़िरो के लिये उन का मक़ मुजय्यन किया गया और उन्हें

عَنِ السَّبِيلِ ۖ وَمَنْ يُضِلِلِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ هَادٍ ۚ

रास्ते से रोका गया. और जिसे अल्लाह गुमराह कर दे उसे कोई छिदायत देने वाला नहीं.

لَهُمْ عَذَابٌ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَ لَعَذَابُ الْآخِرَةِ أَشَقُّ ۚ

उन के लिये दुन्यवी जिन्दगी में अजाब है और अलबत्ता आभिरत का अजाब ज्यादा मशककत वाला है.

وَمَا لَهُمْ مِّنَ اللَّهِ مِنْ وَّاقٍ ۝ مَثَلُ الْجَنَّةِ الَّتِي

और उन के लिये अल्लाह से कोई भयाने वाला नहीं. उस जन्नत का डाल जिस का

وُعِدَ الْمُتَّقُونَ ۖ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ ۖ أَكْثَرًا

मुत्तकियों से वादा किया गया है ये है के उस के नीचे से नेहरें बहती होंगी. उस के मजे

دَائِمٌ ۖ وَظِلُّهَا ۖ تِلْكَ عُقْبَى الَّذِينَ اتَّقَوْا ۖ وَعُقْبَىٰ

दाईमी होंगे और उस के साथे (भी दाईमी होंगे). ये मुत्तकियों का अन्जाम है. और काफ़िरो

الْكَافِرِينَ النَّارُ ۝ وَالَّذِينَ اتَّيْتَهُمُ الْكِتَابَ يُفْرَحُونَ

का अन्जाम होजाय है. और वो लोग जिन को हम ने किताब दी वो भूश हैं उस की वजह से

بِمَا أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ ۖ وَمِنَ الْأَحْزَابِ ۖ مَنْ يُنْكِرُ بَعْضَهُ ۖ

जो आप की तरफ़ उतारा गया है और गिरोहों में से भाज इस कुरआन के भाज डिस्से का ईकार करते हैं आप

قُلْ إِنَّمَا أُمِرْتُ أَنْ أَعْبُدَ اللَّهَ وَلَا أُشْرِكَ بِهِ ۖ

इरमा दीजिये के मुझे तो सिर्फ़ ये हुकम दिया गया है के मैं अल्लाह की ईबादत करूं और मैं उस के साथ शरीक न ठेकराऊं.

إِلَيْهِ أَدْعُوا ۖ وَإِلَيْهِ مَابٍ ۝ وَ كَذَلِكَ أَنْزَلْنَاهُ

उसी की तरफ़ मैं दावत देता हूं और उसी की तरफ़ मुझे वापस जाना है और इसी तरह हम ने उस को अरबी वाला उक और

حُكْمًا عَرَبِيًّا ۖ وَلَئِنْ اتَّبَعْتَ أَهْوَاءَهُمْ بَعْدَ

भातिल के इरमियान इसला करने वाला कुरआन बना कर उतारा. और अगर आप भी उन की ज्वाइशात का ईत्तिबा

مَا جَاءَكَ مِنَ الْعِلْمِ ۖ مَا لَكَ مِنَ اللَّهِ مِنْ وَّلِيٍّ

करेंगे इस के बाद के आप के पास ईल्म आया तो आप को अल्लाह से कोई भयाने वाला और

وَلَا وَّاقٍ ۝ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا رُسُلًا مِّن قَبْلِكَ وَجَعَلْنَا

कोई मददगार नहीं डोगा. यकीनन हम ने आप से पेडले पैगम्बर भेजे और हम ने

لَهُمْ أَزْوَاجًا ۖ وَذَرِيَّةً ۖ وَمَا كَانَ لِرَسُولٍ

उन के लिये भीवियां और औलाद बनाई. और किसी रसूल की ये ताकत नहीं है के

أَنْ يَأْتِيَ بِآيَةٍ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ لِكُلِّ أَجَلٍ كِتَابٌ ۝

वो कोई मोअजिजा ले आये मगर अल्लाह के हुकम से. हर मुकर्ररा वकत के लिये लिखी हुई तहरीर है.

يَمْحُوا اللهُ مَا يَشَاءُ وَيُثَبِّتُ ۞ وَ عِنْدَهُ اَمْرٌ

और अल्लाह मिटाते हैं जिसे चाहते हैं और बाकी रखते हैं (जिसे चाहते हैं). और अल्लाह ही के पास उम्मुल

الْكِتَابِ ۞ وَاِنْ مَا تُرِيَّتْكَ بَعْضَ الَّذِي

किताब (यानी लखे मलफूज) है. और अगर हम आप को दिखा दें उस अजाब का कुछ हिस्सा

نَعْدُهُمْ اَوْ نَتَوَقَّيْتِكَ فَاِنَّمَا عَلَيْكَ الْبَلْغُ وَعَلَيْنَا

जिस से हम उन्हें डरा रहे हैं या हम आप को वफ़ात दे दें तो आप के जिम्मे तो सिर्फ़ पड़ोयाना है और हमारे जिम्मे

الْحِسَابِ ۞ اَوْلَمْ يَرَوْا اَنَّا نَاتِي الْاَرْضَ نَنْقُصُهَا

हिसाब लेना है. क्या उन्होंने ने देखा नहीं के हम ज़मीन को उस के यारों तरफ़ से कम करते

مِنْ اَطْرَافِهَا ۞ وَاللّٰهُ يَحْكُمُ لَا مُعَقَّبَ لِحُكْمِهِ ۞

हुवे आ रहे हैं? और अल्लाह कैसेला करता है, अल्लाह के कैसेले को कोई पीछे नहीं कर सकता.

وَهُوَ سَرِيْعُ الْحِسَابِ ۞ وَقَدْ مَكَرَ الَّذِيْنَ

और वो तेज़ हिसाब लेने वाला है. यकीनन मक़ कर चुके वो जो

مِنْ قَبْلِهِمْ فَاللّٰهُ الْمَكْرُ جَمِيْعًا ۞ يَعْلَمُ مَا تَكْسِبُ كُلُّ

उन से पेहले थे, फिर अल्लाह के पास तमाम तदाबीर हैं. उसे मालूम है जो कोई जो

نَفْسٍ ۞ وَسَيَعْلَمُ الْكُفْرُ لِمَنْ عُقْبَى الدَّارِ ۞ وَيَقُوْلُ

कुछ करता है. और अनकरीब कुफ़र जान लेंगे किस के लिये आभिरत का घर है. और काफ़िर

الَّذِيْنَ كَفَرُوْا لَسْتَ مُرْسَلًا ۞ قُلْ كَفَىٰ بِاللّٰهِ شَهِيدًا

केहते हैं के आप भेजे हुवे पैगम्बर नहीं हो. आप इरमा हीजिये के अल्लाह मेरे

بَيْنِيْ وَ بَيْنَكُمْ ۞ وَمَنْ عِنْدَهُ عِلْمُ الْكِتَابِ ۞

और तुम्हारे दरमियान काफ़ी गवाह है. और वो भी गवाह हैं जिन के पास किताब का एल्म है.

۱۱۲: ۵۲ اٰیَاتُهَا

(۱۳) سُورَةُ الْاِنْبِیِّیْنَ مَكِّيَّةٌ (۷۲)

رُكُوْعَاتُهَا ۷

और ७ रुकूअ हैं

सूरअे एंब्राहीम मकका में नाज़िल हुए

एस में पर आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पण्डता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

اَلرّتْ كِتٰبٌ اَنْزَلْنٰهُ اِلَيْكَ لِتُخْرِجَ النَّاسَ مِنَ الظُّلُمٰتِ

अलिफ़ लाम रा. ये किताब है जिसे हम ने आप की तरफ़ उतारा है ताके आप एन्सानों को निकालें

إِلَى التَّوْرَةِ بِإِذْنِ رَبِّهِمْ إِلَى صِرَاطِ الْعَزِيزِ

तारीकियों से नूर की तरफ़. उन के रब के हुकम से गालिब, काबिले तारीफ़ अल्लाह के रास्ते

الْحَيِّدِ ۝ اللَّهُ الَّذِي لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا

की तरफ़. वो अल्लाह के जिस की मिल्क हैं वो तमाम चीज़ों जो आस्मानों में हैं और जो

فِي الْأَرْضِ ۖ وَوَيْلٌ لِلْكَافِرِينَ مِنْ عَذَابٍ شَدِيدٍ ۝

जमीन में हैं. और काफ़िरो के लिये सप्त अजाब से उलाकत है.

الَّذِينَ يَسْتَحِبُّونَ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا عَلَى الْآخِرَةِ

उन के लिये जो दुनिया से मलूमत रખते हैं आभिरत के मुकाबले में

وَ يَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَيَبْغُونَهَا عِوَجًا ۖ

और अल्लाह के रास्ते से रोकते हैं और उस में कल तलाश करते हैं.

أُولَئِكَ فِي ضَلَالٍ بَعِيدٍ ۝ وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ رَّسُولٍ

ये (उक से बड़ोत डी) दूर वाली गुमराही में हैं. और हम ने कोई रसूल नही भेजा मगर उस की

إِلَّا بِلِسَانٍ قَوْمِهِ لِيُبَيِّنَ لَهُمْ ۖ فَيُضِلُّ اللَّهُ مَنْ يَشَاءُ

कौम की ज़बान दे कर ताके उन के सामने साफ़ साफ़ बयान करे. फिर अल्लाह जिसे याहते हैं गुमराह करते हैं

وَيَهْدِي مَنْ يَشَاءُ ۖ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ وَقَدْ

और जिसे याहते हैं छिदायत देते हैं. और वो गालिब है, छिकमत वाला है. यकीनन

أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا أَنْ أَخْرِجْ قَوْمَكَ مِنَ الظُّلُمَاتِ

हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) को भेजा अपने मोअजिजात दे कर के अपनी कौम को तारीकियों से नूर की तरफ़

إِلَى التَّوْرَةِ وَذَكَرَهُمْ بِآيَاتِ اللَّهِ ۖ إِنَّ فِي ذَلِكَ

निकालिये. और उन्हें अल्लाह की नेअमतें याद दिलाईये. यकीनन इस में हर सभ्र

لَآيَةٍ لِّكَلِّ صَبَارٍ شُكْرٍ ۝ وَإِذْ قَالَ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ

करने वाले, शुक्र करने वाले के लिये निशानियां हैं. और जब मूसा (अलैहिस्सलाम) ने अपनी कौम से इरमाया के

أَذْكُرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ عَلَيْكُمْ إِذْ أَنْجَاكُمْ مِنْ آلِ

तुम याद करो अल्लाह की उस नेअमत को जो तुम पर है जब के अल्लाह ने तुम्हें नजात दी आले

فِرْعَوْنَ فَرَعُونَ يَسُومُونَكُمْ سُوءَ الْعَذَابِ وَ يَدَّبْحُونَ

फ़िरऔन से जो तुम्हें बहतरीन अजाब से तकलीफ़ देते थे और तुम्हारे बेटों को ज़ब

اِبْنَاءَكُمْ وَ يَسْتَحْيُونَ نِسَاءَكُمْ وَ فِي ذٰلِكُمْ بَلَاءٌ

करते थे और तुम्हारी औरतों को जिन्दा रेलने देते थे. और उस में तुम्हारे रब की तरफ से

مِّن رَّبِّكُمْ عَظِيمٌ ۝ وَاِذْ تَاَذَنَ رَبُّكُمْ لَئِن سَكَرْتُمْ

भारी धमिखान था. और जब तुम्हारे रब ने औलान किया के अगर तुम शुक्र करोगे

لَا زِيْدَتَكُمْ وَلَئِن كَفَرْتُمْ اِنَّ عَذَابِيْ لَشَدِيْدٌ ۝

तो मैं तुम्हें मजीद दूंगा और अगर तुम नाशुकरि करोगे तो यकीनन मेरा अजाब अलबत्ता सप्त है.

وَ قَالَ مُوسٰى اِنْ تَكْفُرُوْا اَنْتُمْ وَمَنْ فِي الْاَرْضِ

और मूसा (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया के अगर तुम और वो जो जमीन में हैं सारे के सारे काफिर

جَمِيْعًا ۙ فَاِنَّ اللهَ لَغَنِيٌّ حَمِيْدٌ ۝ اَلَمْ يَاتِكُمْ نَبُوْا

भन जाओ, तो यकीनन अल्लाह बेनियाज है, काबिले तारीफ है. क्या तुम्हारे पास उन लोगों की

الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِكُمْ قَوْمٌ نُوحٍ وَّ عَادٍ وَّ ثَمُوْدٌ

भबर नहीं आई जो तुम से पेडले थे कौमे नूड और कौमे आद और कौमे समूद

وَالَّذِيْنَ مِنْ بَعْدِهِمْ ۗ لَا يَعْلَمُهُمْ اِلَّا اللهُ ۗ

और वो जो उन के बाद हुवे जिन को सिवाये अल्लाह के कोई नहीं जानता. जिन के पास

جَاءَتْهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنٰتِ فَرَدُّواْ اَيْدِيَهُمْ

उन के पैगम्बर रोशन मोअजिजात ले कर आये, फिर उनको ने अपने हाथ रब दिये अपने मुंड में

فِيْ اَفْوَاهِهِمْ وَّ قَالُوْا اِنَّا كَفَرْنَا بِمَا اُرْسِلْتُمْ بِهٖ وَاِنَّا

और कडा यकीनन हम तो कुड़ करते हैं उस के साथ जिस को दे कर तुम भेजे गये हो और यकीनन

لَغِيْ شَكٍّ مِّمَّا تَدْعُوْنَآ اِلَيْهٖ مُّرِيْبٍ ۝ قَالَتْ

हम अलबत्ता भडोत जयादा शक में हैं उस की तरफ से जिस की तरफ तुम हमें दावत देते हो.

رُسُلُهُمْ اَفِيْ اللهِ شَكٌّ فَاطِرِ السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ۗ

उन के पैगम्बरों ने कडा के क्या अल्लाह के बारे में शक जो आस्मानों और जमीन को पैदा करने वाला है?

يَدْعُوْكُمْ لِيَغْفِرَ لَكُمْ مِّنْ ذُنُوْبِكُمْ وَّ يُؤَخِّرَكُمْ

जो तुम्हें बुलाता है ताके वो तुम्हारी मगफिरत करे तुम्हारे गुनाहों की और तुम्हें मोडलत दे

اِلٰى اَجَلٍ مُّسَمًّى ۗ قَالُوْا اِنْ اَنْتُمْ اِلَّا بَشَرٌ مِّثْلَنَا ۗ

अक वकते मुकरररा तक के लिये. उनको ने कडा के तुम नहीं हो मगर हम जैसे धन्सान.

تُرِيدُونَ أَنْ تَصُدُّونَا عَمَّا كَانَ يَعْبُدُ آبَاؤُنَا

तुम ये याहते हो के हमें रोक दो उस से जिस की हमारे बाप दादा एबादत करते थे

فَاتُّونَا بِسُلْطِنٍ مُّبِينٍ ۝۱۰ قَالَتْ لَهُمْ رُسُلُهُمْ إِنْ تَحْنُ

तो तुम हमारे पास रोशन भोअजिआ ले आओ. उन से उन के पैगम्बरों ने कहा के हम तो

إِلَّا بَشَرٌ مِّثْلُكُمْ وَلَكِنَّ اللَّهَ يَمُنُّ عَلَىٰ مَنْ يَشَاءُ

सिर्फ तुम जैसे ए-सान हैं, लेकिन अल्लाह अहसान करता है जिस पर याहता है

مِنْ عِبَادِهِ ۖ وَمَا كَانَ لَنَا أَنْ نَأْتِيَكُمْ بِسُلْطِنٍ

अपने बन्दों में से. और हमारी ताकत नहीं है के हम तुम्हारे पास कोई भोअजिआ लायें

إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ وَعَلَىٰ اللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ۝۱۱

मगर अल्लाह के हुकम से. और अल्लाह ही पर एमान वालों को तवक्कुल करना याहिये.

وَمَا لَنَا إِلَّا نَتَوَكَّلَ عَلَىٰ اللَّهِ وَقَدْ هَدَانَا سُبُلَنَا ۖ

और हमें क्या हुवा के हम अल्लाह पर तवक्कुल न करें हावांके उस ने हमें हमारे रास्तों की डिहायत दी.

وَ لَنَصْبِرَنَّ عَلَىٰ مَا أَدَيْمُونَا ۖ وَعَلَىٰ اللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ

और अलबत्ता हम ज़र सभ्र करेंगे उस पर जो तुम हमें एजा दोगे. और अल्लाह ही पर तवक्कुल

الْمُتَوَكِّلُونَ ۝۱۲ وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لِرُسُلِهِمْ

करने वालों को तवक्कुल करना याहिये. और काफ़िरो ने अपने पैगम्बरों से कहा के

لَنُخْرِجَنَّكُمْ مِّنْ أَرْضِنَا أَوْ لَتَعُوْدَنَّ فِي مَلَّتِنَا ۖ

हम तुम्हें ज़र निकाल देंगे अपने मुल्क से या ये के तुम हमारे मजहब में आ जाओ.

فَأَوْحَىٰ إِلَيْهِمْ رَبُّهُمْ لَنُهْلِكَنَّ الظَّالِمِينَ ۝۱۳

फ़िर उन के रब ने उन की तरफ़ वही की के हम एन जालिमों को ज़र हलाक करेंगे.

وَلَنُسَكِّنَنَّكُمْ الْأَرْضَ مِنْ بَعْدِهِمْ ۖ ذَلِكَ لِيَنَّ خَافَ

और तुम्हें एस मुल्क में उन के बाद ज़र ठहरायेंगे. ये उस शप्स के लिये है जो मेरे सामने

مَقَامِي وَخَافَ وَعِيدِ ۝۱۴ وَأَسْتَفْتَحُوا وَخَابَ كُلُّ

भडे होने से डरे और मेरे अजाब की वएद से डरे. और उनहों ने इतह तलब की और डर जालिम

جَبَّارٍ عَنِيدٍ ۝۱۵ مِّنْ وَرَائِهِ جَهَنَّمُ ۖ وَيُسْقَىٰ مِنْ مَّاءٍ

सरकश नाकाम हुवा. उस के आगे जहन्नम है और उसे पीप वाला पानी पीने को

صَدِيدٌ ۱۷ يَتَجَرَّعُهُ وَلَا يَكَادُ يُسِيغُهُ وَيَأْتِيهِ

दिया जायेगा. जिस को वो घोट घोट कर के पियेगा और उस को उलक से नीचे उतार नहीं सकेगा

الْبُوتُ مِنْ كُلِّ مَكَانٍ وَمَا هُوَ بِمَيِّتٌ ۝

और उसे मौत आ लेगी हर तरफ से डालांके वो मरने वाला नहीं है.

وَمِنْ وَرَائِهِ عَذَابٌ غَلِيظٌ ۝ مَثَلُ الَّذِينَ كَفَرُوا

और उस के बाद भी सप्त अजाब होगा. उन लोगों का डाल जिनहों ने अपने रब के साथ

بِرَبِّهِمْ أَعْمَالُهُمْ كَرَمَادٍ مُّسْتَدَّتْ بِهِ الرِّيحُ

कुड़ किया उन के आमाव जैसे हैं जैसा के राव, जिस को तूफानी उवा ने तेज उडाया डो

فِي يَوْمٍ عَاصِفٍ ۝ لَا يَقْدِرُونَ مِمَّا كَسَبُوا عَلَىٰ شَيْءٍ ۝

सप्त उवा वाले दिन में के वो अपने आमाव में से किसी चीज पर भी कादिर नहीं हैं.

ذَلِكَ هُوَ الصَّلُّ الْبَعِيدُ ۝ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ خَلَقَ

ये (उक से बडोत) दूर वाली गुमराडी है. क्या आप ने देखा नहीं के अल्लाड ने

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ بِالْحَقِّ ۝ إِنَّ يَشَأُ يُذْهِبْكُمْ

आस्मानों और जमीन को उक के साथ पैदा किया. अगर वो याडे तो तुम्हें उलाक कर दे

وَيَأْتِ بِخَلْقٍ جَدِيدٍ ۝ وَمَا ذَلِكُ عَلَىٰ اللَّهِ

और नई मप्लूक को ले आओ. ये अल्लाड पर कुछ मुशकिल नहीं.

بِعَزِيْرٍ ۝ وَبَرُّوا بِاللَّهِ جَمِيْعًا فَقَالَ الضُّعْفُوْا لِلَّذِيْنَ

और वो सारे के सारे एकट्टे अल्लाड के सामने पेश डोंगे, फिर जुअफा उन से कडेंगे जो

اسْتَكْبَرُوْا اِنَّا كُنَّا لَكُمْ تَبَعًا فَهَلْ اَنْتُمْ مُّغْنُوْنَ

बडा बनना याडते थे के यकीनन डम तो तुम्हारे पीछे चलने वाले थे, फिर क्या तुम डमारे कुछ काम

عَنَّا مِنْ عَذَابِ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۝ قَالُوا لَوْ هَدَانَا

आओगे अल्लाड के अजाब से? वो कडेंगे के अगर अल्लाड ने डमें डिदायत दी डोती

اللَّهُ لَهَدَيْتُمْ ۝ سَوَاءٌ عَلَيْنَا اَجْرَعْنَا اَمْ صَبَرْنَا

तो डम तुम्हें डिदायत देते. डम पर बराबर है याडे डम डरयाद करें या डम सभ्र करें,

مَا لَنَا مِنْ مَّحِيْصٍ ۝ وَقَالَ الشَّيْطٰنُ لَمَّا قُضِيَ

डमारे लिये किसी तरह छुटकारा नहीं है. और जब तमाम डमूर का डैसला कर दिया जायेगा तो शयतान

الْأَمْرُ إِنَّ اللَّهَ وَعَدَكُمْ وَعَدَ الْحَقُّ وَ وَعَدْتُكُمْ

कहेगा यकीनन अल्लाह ने तुम से वादा किया था सच्चा वादा और मैं ने भी तुम से वादा किया था,

فَأَخَلَفْتُمْ وَمَا كَانَ لِي عَلَيْكُمْ مِنْ سُلْطٰنٍ

झिरे मैं ने तुम से वादाभिलाई की. और मेरा तुम पर कोई ओर नहीं था सिवाये इस के

إِلَّا أَنْ دَعَوْتُمْ فَاسْتَجَبْتُمْ لِي ۚ فَلَا تَلُمُونِي وَلَا لَوْمُونَ

के मैं ने तुम्हें द्वावत दी, झिरे तुम ने मेरी द्वावत कबूल कर ली. इस लिये तुम मुझे मलामत मत करो बल्के

أَنْفُسَكُمْ ۗ مَا أَنَا بِبُصْرِيخٍ وَمَا أَنْتُمْ بِبُصْرِيخٍ ۗ إِنِّي

अपने आप को मलामत करो. न मैं तुम्हारी झर्यादरसी कर सकता हूँ और न तुम मेरी झर्याद को पडोय सकते हो.

كَفَرْتُمْ بِمَا أَشْرَكْتُمْ مِنْ قَبْلُ ۗ إِنَّ الظَّالِمِينَ

यकीनन मैं ई-कार करता हूँ शिर्क का जो तुम इस से पेडले मुझे शरीक ठेडराते रहे. यकीनन आलिमों

لَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۴﴾ وَأَدْخِلِ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا

के लिये दहनाक अजाब डोगा. और वो लोग जो ईमान लाये और जो नेक काम

الصَّالِحَاتِ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ

करते रहे वो अपने रब के हुकम से द्वाभिल किये जायेंगे ऐसी जन्नतों में जिन के नीचे से नेडरें बेडती

فِيهَا بِأَذْنِ رَبِّهِمْ ۗ تَحِيَّتُهُمْ فِيهَا سَلَامٌ ﴿۱۵﴾ أَلَمْ تَرَ

डोंगी, जिन में वो डमेशा रहेंगे. उन का तडीया उस में अस्सलामु अलयकुम डोगा. क्या आप ने

كَيْفَ ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا كَلْبَةً طَيِّبَةً كَشَجَرَةٍ

देषा नहीं के अल्लाड ने कैसे मिसाल बयान की पाकीजा कलिमे की पाकीजा दरफ्त

طَيِّبَةٍ أَصْلُهَا ثَابِتٌ وَفَرْعُهَا فِي السَّمَاءِ ﴿۱۶﴾

की तरड जिस की जडें मजबूत डों और जिस की शाभें आस्मान में डों.

تُوِّيَ أَكْثَرُهَا كُلِّ حِينٍ بِأَذْنِ رَبِّهَا ۗ وَيَضْرِبُ اللَّهُ

जो डर वकत अपने रब के हुकम से अपना इल देता डो. और अल्लाड मिसालें बयान

الْأَمْثَالَ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ﴿۱۷﴾ وَ مَثَلُ

करते हैं ई-सानों के लिये ताके वो नसीडत डसिल करे. और बुरे

كَلْبَةٍ خَبِيثَةٍ كَشَجَرَةٍ خَبِيثَةٍ اجْتُثَّتْ مِنْ

कलिमे की मिसाल ऐसी है जैसा के बुरा दरफ्त, जो जमीन के डपर डी



فَوْقِ الْأَرْضِ مَا لَهَا مِنْ قَرَارٍ ﴿۱۱﴾ يُخَيَّبُ اللَّهُ الَّذِينَ

سے ઉખાડ લિયા ગયા હો જિસ કે લિયે કોઈ કરાર ન હો. અલ્લાહ ઈમાન વાલોં કો

أَمَنُوا بِالْقَوْلِ الثَّابِتِ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَفِي الْآخِرَةِ

કોલે સાબિત કે ઝરિયે દુનવી ઝિન્દગી મેં ઓર આખિરત મેં જમાતે હેં.

وَ يُضِلُّ اللَّهُ الظَّالِمِينَ ﴿۱۲﴾ وَ يَفْعَلُ اللَّهُ مَا يَشَاءُ ﴿۱۳﴾

ઓર અલ્લાહ ઝાલિમોં કો ગુમરાહ કરતે હેં. ઓર અલ્લાહ કરતે વહી હેં જો વો ચાહતે હેં.

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ بَدَّلُوا نِعْمَتَ اللَّهِ كُفْرًا

કયા આપ ને દેખા નહીં ઉન લોગોં કી તરફ જિન્હોં ને અલ્લાહ કી નેઅમત કો કુફ્ર સે બદલ દિયા

وَ أَحَلُّوا قَوْمَهُمْ دَارَ الْبَوَارِ ﴿۱۴﴾ جَهَنَّمَ ۚ يَصْلَوْنَهَا

ઓર જિન્હોં ને અપની કૌમ કો હલાકત કે ઘર મેં ઉતારા. યાની જહન્નમ મેં, જિસ મેં વો દાખિલ હોંગે.

وَ بِئْسَ الْقَرَارُ ﴿۱۵﴾ وَ جَعَلُوا لِلَّهِ أندَادًا لِيُضِلُّوا

ઓર વો બુરી ઠહેરને કી જગા હે. ઓર ઉન્હોં ને અલ્લાહ કે લિયે શરીક ઠહેરાયે તાકે વો અલ્લાહ કે રાસ્તે સે

عَنْ سَبِيلِهِ ۗ قُلْ تَسْعُوا فَإِنْ مَصِيرَكُمْ إِلَى النَّارِ ﴿۱۶﴾ قُلْ

ગુમરાહ કરે. આપ ફરમા દીજિયે કે તુમ મઝે ઉડા લો, ફિર યકીનન તુમહારા લૌટના જહન્નમ કી તરફ હે. આપ ફરમા

لِعِبَادِي الَّذِينَ آمَنُوا يُقِيمُوا الصَّلَاةَ وَ يُنْفِقُوا

દીજિયે મેરે ઉન બન્દોં સે જો ઈમાન લાએ કે વો નમાઝ કાઈમ કરે ઓર ખર્ચ કરે

مِمَّا رَزَقْنَاهُمْ سِرًّا وَ عَلَانِيَةً ۚ مِمَّن قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَ

ઉન થીઝોં મેં સે જો હમ ને ઉન્હોં રોઝી કે તૌર પર દી, ચુપકે ઓર અલાનિયા, ઈસ સે પેહલે કે વો દિન

يَوْمٌ لَا يَبِيعُ فِيهِ وَ لَا خَلِكٌ ﴿۱۷﴾ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ

આ જાએ કે જિસ મેં ન ખરીદ વ ફરોખત ઓર ન દોસ્તી હોગી. અલ્લાહ હી હે જિસ ને આસ્માનોં

السَّمَوَاتِ وَ الْأَرْضِ وَ أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَخْرَجَ

ઓર ઝમીન કો પૈદા કિયા ઓર જિસ ને આસ્માન સે પાની બરસાયા, ફિર ઉસ

بِهِ مِنَ الثَّمَرَاتِ رِزْقًا لَكُمْ ۚ وَ سَخَّرَ لَكُمْ الْفَلَكَ

કે ઝરિયે તુમહારે ખાને કે લિયે ફલ નિકાલે. ઓર ઉસ ને તુમહારે લિયે કશતી કો મુસખ્ખર કિયા

لِتَجْرِيَ فِي الْبَحْرِ بِأَمْرٍ ۚ وَ سَخَّرَ لَكُمْ الْإِنهَرَ ﴿۱۸﴾

તાકે વો ચલે સમન્દર મેં અલ્લાહ કે હુકમ સે. ઓર ઉસ ને તુમહારે લિયે નેહરોં કો ભી કામ મેં લગા રખા હે.

وَسَخَّرَ لَكُمُ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ دَائِبَيْنِ ۖ وَسَخَّرَ لَكُمُ

और उस ने तुम्हारे लिये याँद और सूरज को काम में लगा रखा है जो लगातार उरकत में हैं और उस ने तुम्हारे

الْيَلَّ وَالنَّهَارَ ۗ وَآتَكُمْ مِّنْ كُلِّ مَّا سَأَلْتُمُوهُ ۗ

लिये रात और दिन को काम में लगा रखा है और उस ने तुम्हें हर चीज़ में से दिया जिस का तुम ने उस से सवाल किया।

وَإِن تَعُدُّوا نِعْمَتَ اللَّهِ لَا تَحْصُوهَا ۗ إِنَّ الْإِنْسَانَ لَظَلُومٌ

और अगर तुम अल्लाह की नेअमत को शुमार करो तो उस को गिन नहीं सकते। यकीनन ईन्सान बड़ोत जयादा आदिम

كَفَّارٌ ۗ وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ رَبِّ اجْعَلْ هَذَا الْبَلَدَ

और बड़ोत जयादा नाशुका है और जब के ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने कहा अमेरे रब! ईस शेरुदर को अमन वाला

أَمِنًا وَاجْنُبْنِي وَبَنِيَّ أَنْ نَعْبُدَ الْأَصْنَامَ ۗ رَبِّ

बनाईये और मुझे और मेरे बेटों को ईस से बचाईये के हम भुतों की ईबाहत करें। अ मेरे रब!

إِنَّمَن أَضَلَّنَا كَثِيرًا مِّنَ النَّاسِ ۖ فَسَن تَبِعَنِي

यकीनन ईन भुतों ने बड़ोत से ईन्सानों को गुमराह किया। फिर जो मेरा ईत्तिबा करे

فَأَنَّهُ مِنِّي ۖ وَمَنْ عَصَانِي فَإِنَّكَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۝

तो वो मुज से है और जो मेरी नाईरमानी करे तो यकीनन आप बफ्शने वाले, निहायत रहम करने वाले हैं।

رَبَّنَا إِنِّي أَسْكَنْتُ مِنْ ذُرِّيَّتِي بِوَادٍ غَيْرِ ذِي زَرْعٍ

अे उमारे रब! यकीनन मैं ने अपनी औलाह में से बाज को ऐसी वादी में जो भेती वाली नहीं

عِنْدَ بَيْتِكَ الْحَرَامِ ۚ رَبَّنَا لِيُقِيمُوا الصَّلَاةَ فَاجْعَلْ

तेरे ईजजत वाले घर के पास ठेहराया है, अे उमारे रब! ईस लिये ताके वो नमाज काईम करें, फिर

أَفِدَةً مِّنَ النَّاسِ تَهْوِي إِلَيْهِمْ وَارْتُفِقَهُمْ

लोगों के दिलों को आप कर दीजिये के उन की तरफ माईल हों और उन्हे रोजी दीजिये

مِّنَ الثَّمَرَاتِ لَعَلَّهُمْ يَشْكُرُونَ ۝ رَبَّنَا إِنَّكَ تَعْلَمُ

इलों की ताके वो शुक्र अदा करें। अे उमारे रब! यकीनन आप जानते हैं

مَا نُحْفِي وَمَا نُعْلِنُ ۗ وَمَا يَخْفَى عَلَى اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ

वो जिसे हम छुपाते हैं और जिसे हम जाहिर करते हैं। और अल्लाह पर कोई चीज मफ्ही नहीं है

فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ ۝ الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي

न जमीन में और न आस्मान में। तमाम तारीकें उस अल्लाह के लिये हैं जिस ने

وَهَبْ لِي عَلَى الْكَبِيرِ إِسْمَاعِيلَ وَإِسْحَاقَ ۖ إِنَّ رَبِّي

मुझे बुढ़ापे में इस्माइल और इसहाक दिये. यकीनन मेरा रब

لَسَيِّعُ الدُّعَاءِ ۝ رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ

अलभता हुआ सुनने वाला है. ओ मेरे रब! आप मुझे नमाज काईम करने वाला बनाईये

وَمِنْ ذُرِّيَّتِي ۖ رَبَّنَا وَتَقَبَّلْ دُعَاءِ ۝ رَبَّنَا اغْفِرْ لِي

और मेरी औलाद में से भी. ओ उमारे रब! और मेरी हुआ को कबूल कर लीजिये. ओ उमारे रब! मेरी

وَلِوَالِدَيَّ وَلِلْمُؤْمِنِينَ يَوْمَ يَقُومُ الْحِسَابُ ۝

और मेरे वालिदैन की और तमाम ईमान वालों की मगफिरत कर दीजिये उस दिन जिस दिन हिसाब काईम होगी.

وَلَا تَحْسَبَنَّ اللَّهَ غَافِلًا عَمَّا يَعْمَلُ الظَّالِمُونَ ۗ إِنَّمَا

और तुम अल्लाह को गाफिल मत समजो उस से जो ये जालिम लोग कर रहे हैं. अल्लाह तो सिर्फ

يُؤَخِّرُهُمْ لِيَوْمٍ تَشْخَصُ فِيهِ الْأَبْصَارُ ۚ لَهُمْ فِيهَا

उन्हे ढील दे रहा है ऐसे दिन के लिये जिस में निगाहें इटी रेह जायेंगी. वो तेज दौड रहे होंगे,

مَقْنَعٌ رُعُوسِهِمْ لَآ يَرْتَدُّ إِلَيْهِمْ طَرْفُهُمْ ۗ وَأَفِئْتُهُمْ

अपने सरो को ळिये हुवे होंगे, उन की तरफ उन की निगाह वापस नहीं लौटेगी. और उन के हिल

هُوَآءٌ ۚ وَ أَنْذِرِ النَّاسَ يَوْمَ يَأْتِيهِمُ الْعَذَابُ

तमाम भयालात से भाली होंगे. और आप ईसानो को डराईये उस दिन से जिस दिन वो अजाब आयेगा

فَيَقُولُ الَّذِينَ ظَلَمُوا رَبَّنَا آخِرْنَا إِلَىٰ آجَلٍ

तो जालिम लोग कहेंगे के ओ उमारे रब! आप हमें मोडलत दीजिये करीबी वकत तक

قَرِيبٍ ۙ نَّجِبْ دَعْوَتِكَ وَ نَتَّبِعِ الرُّسُلَ ۗ أَوَلَمْ تَكُونُوا

के हम आप की दावत कबूल कर लें और रसूलों का ईत्तिबा करें. क्या तुम ने ईस से

أَفْسَمْتُمْ مِّنْ قَبْلِ مَا لَكُم مِّنْ زَوَالٍ ۚ وَ سَكَنتُمْ

पेडले कस्में नहीं भाई थीं के तुम्हारे लिये जवाल नहीं है? डालांके तुम रहे थे उन लोगों के

فِي مَسْكِنِ الَّذِينَ ظَلَمُوا أَنفُسَهُمْ وَ تَبَيَّنَ لَكُمْ كَيْفَ

मकानात में जिन्हों ने अपनी जानों पर जुल्म किया और तुम्हारे सामने वाजेह हो चुका था के हम ने

فَعَلْنَا بِهِمْ وَ ضَرَبْنَا لَكُمْ الْأَمْثَالَ ۝ وَقَدْ مَكَرُوا

उन के साथ क्या किया और हम ने तुम्हारे लिये मिसालें भी भयान की थीं. और उन्हों ने अपना

مَكْرَهُمْ وَعِنْدَ اللَّهِ مَكْرُهُمْ ۖ وَإِنْ كَانَ مَكْرُهُمْ

मक़ किया और अल्लाह के पास उन का मक़ है। और उन का मक़ ऐसा नहीं था के उस से

لِتَرْوُلَ مِنْهُ الْجِبَالُ ۚ فَلَا تَحْسَبَنَّ اللَّهَ مُخَلِّفًا

पहाड (पहाड से मुराह शरीअत है) टल जाते। इस लिये आप अल्लाह को अपने रसूलों से किये हुवे वादे

وَعَدٍ رُسُلَهُ ۖ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ ذُو انتِقَامٍ ۚ يَوْمَ

के भिलाफ़ करने वाला मत समझे। यकीनन अल्लाह जबरदस्त है, ईन्तिकाम लेने वाला है। उस दिन

تُبَدَّلُ الْأَرْضُ غَيْرَ الْأَرْضِ وَالسَّمَوَاتُ وَ بَرَزُوا

ये जमीन उस के अलावा जमीन से बदल दी जायेगी और आस्मान (दूसरे आस्मान से बदल दिये जायेंगे) और तमाम

لِلَّهِ الْوَاحِدِ الْقَهَّارِ ۚ وَ تَرَى الْمُجْرِمِينَ يَوْمَئِذٍ

के तमाम गालिब यकता अल्लाह के सामने पेश होंगे। और आप मुजरिमों को देखोगे उस दिन के

مُتَقَرَّنِينَ فِي الْأَصْفَادِ ۗ سَرَابِيلُهُمْ مِّنْ قَطْرِانٍ

वो बेडियों में जकड़े हुवे होंगे। उन का लिबास तारकोल का डोगा

و تَغْشَىٰ وُجُوهُهُمُ النَّارُ ۖ لِيَجْزِيَ اللَّهُ كُلَّ

और उन के चेहरों को आग ढांपे हुवे डोगी। ताके अल्लाह सजा दे डर

نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ ۖ إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۗ

शप्स को उन आमाँल की जो उस ने किये हैं। यकीनन अल्लाह जल्द हिसाब लेने वाला है।

هَذَا بَلْعٌ لِلنَّاسِ لِيُنذَرُوا بِهِ وَلِيَعْلَمُوا أَنَّمَا

ये आम औलान है ईन्सानों के लिये और इस लिये ताके उन्हें उस से डराया जाये और ताके वो जान लें के

هُوَ إِلَهُ وَاحِدٌ ۚ وَ لِيَذَّكَّرَ أُولُوا الْأَلْبَابِ ۚ

वही अल्लाह यकता माबूद है और ताके अकल वाले नसीहत हासिल करें।

رُكُوعًا ۖ

(۱۵) سُورَةُ الْحَجْرِ مَكِّيَّةٌ (۵۴)

آيَاتُهَا ۹۹

और ६ रुकूअ हैं सूराअे डिज मकका में नाजिल हुई इस में ९९ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हूँ अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

الرَّتِّ تِلْكَ آيَاتُ الْكِتَابِ وَقُرْآنٍ مُّبِينٍ ۝

अलिफ़ लाम रा. ये साइ साइ भयान करने वाले कुरआन और इस किताब की आयतें हैं।